केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 38 गुरूवार 27 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बुजुर्ग महिलाओं को फ्री बस की सुविधाः मातृशक्ति यात्रा में देखा गया कार्यक्रम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह 11 बजे 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बस्ती के जीआईसी बहुउद्देशीय हाल में भी देखा गया।

बस्ती में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने की। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला और उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं को रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप साड़ियाँ भेंट कीं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रोली सिंह, सुमन सिंह सहित संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

21 पुलिस कर्मियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कानून व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह और जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड ने कुल 21 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव के आदेश जारी किए। इनमें आठ निरीक्षक, तीन उपनिरीक्षक, छह मुख्य आरक्षी और चार आरक्षी शामिल हैं। स्थानांतरण के तहत निरीक्षक विनय कुमार पाठक को प्रभारी निरीक्षक थाना लालगंज से पुलिस लाइन भेजा गया है। वहीं दिनेश चंद्र चौधरी को प्रभारी त्रिनेत्रध्दृष्टि सेल से थाना लालगंज का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। ओम प्रकाश सिंह चौहान को प्रभारी अपराध शाखा से प्रभारी निरीक्षक एएचटीयू थाना और ओमप्रकाश गौतम को एएचटीयू थाना से अपराध शाखा भेजा गया है।

गृह मंत्री अमित शाह का फोटो लगाकर भैंस के आगे बजाया बीन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पैलेट गन चलाये जाने के मामले मे दिल्ली मे एफआईआर दर्ज होने के बाद गृहमंत्री अमित शाह का विरोध तेज हो गया है। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा जिला स्तर पर अमित शाह का विरोध दर्ज कराने का निर्देश मिलने के बाद पुतला फूंकने की तैयारी कर रहे युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुधीर यादव 'शंख' को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया।

विवश होकर सुधीर यादव ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस को चमका देकर सुधीर ने भैंस के सामने बीन बजाकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह के इतीफे की मांग की। सुधीर ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति मे कहा कि प्रदर्शन कर रहे निहत्थे छात्रों पर पैलेट गन चलाना आपराधिक मामला है, और इस मामले मे राहुल गांधी के प्रयास से मुकदमा दर्ज हो चुका है। ऐसे मे नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये गृहमंत्री अमित शाह को इस्तीफा दे देना चाहिये।

नेपाल में विनाशकारी बाढ से 31 की मौत:105 भारतीय पर्यटक लापता

काठमांडू (आभा)। तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचाई है। भोटेकोशी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याब्रुबेसी इलाके में कई घरों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ की चपेट में रसुवा का एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट भी आ गया और वह बह गया। नेपाल पुलिस के मुताबिक, अब तक 31 लोगों की मौत की खबर है। बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक, 384 लोगों का पता नहीं चल रहा है। इनमें 291 विदेशी पर्यटक हैं जिसमें 105 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। लापता भारतीयों में ज्यादातर तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे।

बाढ़ के तेज बहाव में कई पुल बह गए। इससे आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई और स्थानीय जिला मुख्यालयों तथा बस्तियों से जुड़ने वाले हाईवे संपर्क टूट गए। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए नेपाल का रसुवागढ़ी मार्ग अहम रास्ता है। बाढ़ के कारण नेपाल–चीन सीमा की ओर जाने वाली सड़क को भारी नुकसान पहुंचा है। कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित हैं। हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है। यह बौद्ध, जैन और बोन परंपरा के अनुयायियों के लिए भी पवित्र स्थल है।

भारत से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर साल कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते तिब्बत की ओर जाते हैं। इस बार बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में यात्रियों के संपर्क से बाहर होने के बाद उनके परिवारों की चिंता बढ़ गई है।नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, लापता 291 विदेशी नागरिक लापता हैं। इनमें 142 भारतीय, 17 मलेशियाई, 12 ब्रिटिश, 4 दक्षिण अफ्रीकी, 8 दक्षिण कोरियाई, 1 अमेरिकी, 1 ऑस्ट्रेलियाई और 1 डच नागरिक शामिल हैं। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद करीब 500 यात्री लापता बताए जा रहे हैं। इनमें 37 प्रवासी भारतीय और 105 भारतीय नागरिक शामिल हैं।भारतीय नागरिकों की मदद और जानकारी के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने आपातकालीन नंबर जारी किए हैं। प्रभावित लोग 977 985 131 6807 और 977 970 910 7500 पर संपर्क कर सकते हैं। भारत ने हर संभव सहायता भेजना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया है।

बस्ती में 100वें साल निकला जुलूसे मोहम्मदीः जगह–जगह पुष्पवर्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार सुबह जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया। यह जुलूस सुबह करीब सात बजे शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए दक्षिण दरवाजा पहुंचा। इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए, जिससे पूरा शहर नात और सलाम की गूंज से भक्तिमय हो गया। जुलूस कटरा पानी टंकी सहित शहर के कई प्रमुख मार्गों से गुजरा। इसके स्वागत के लिए जगह–जगह भव्य स्वागत द्वार बनाए गए थे, जिन पर हजरत मोहम्मद साहब के संदेश प्रदर्शित किए गए थे। जुलूस के पहुंचने पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर और स्वागत कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इन स्वागत गेटों पर मोहम्मद साहब की याद में नात पढ़ी गईं और सलाम पेश किए गए।

जुलूस में शामिल लोग धार्मिक उत्साह और उल्लास के साथ आगे बढ़ रहे थे। नात, सलाम और धार्मिक नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। जुलूस के मार्ग में स्थानीय लोगों ने भी श्रद्धापूर्वक इसका स्वागत किया, जिससे पूरे शहर में विशेष उत्साह का माहौल दिखा।

जुलूसे मोहम्मदी के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। जुलूस के पूरे मार्ग पर पुलिसकर्मी तैनात रहे और वरिष्ठ अधिकारियों ने व्यवस्था पर लगातार नजर रखी। मोहम्मद सलमान ने बताया कि यह बस्ती में जुलूस का 100वां वर्ष है, जिसकी शुरुआत 100 साल पहले हुई थी।रेलवे फाटक पर हजरत मोहम्मद साहब की याद में सलाम पढ़कर जुलूसे मोहम्मदी का समापन किया गया।

पुण्य तिथि पर याद किये गये विष्णु मोहन गोपालः योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ के मुख्य संरक्षक विष्णु मोहन गोपाल प्रजापति को उनके छठवीं पुण्य तिथि पर बैरिहवां मोहल्ले में प्रदेश सचिव दिनेश कुमार प्रजापति के संयोजन में याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि विष्णु मोहन प्रजापति जीवन के आखिरी सांस तक प्रजापति समाज के उत्थान के लिये समर्पित रहे। युवा पीढी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि समय बदल गया है, कुम्भकार समाज का पारम्परिक उद्योग खतरे में हैं ऐसे में हमें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्तर पर जागरूकता बढानी होगी यही विष्णु मोहन प्रजापति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विष्णु मोहन प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन् करने वालों में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष राम मिलन प्रजापति, पदुमनाथ प्रजापति, पुरूषोत्तमनाथ, राम उजागिर, महेन्द्रनाथ, नरेन्द्रनाथ, रेणुका देवी, फुलेश्वरी देवी, अनीता प्रजापति, प्रियंका, आराधना, पार्वती देवी, अनीता, दर्शना देवी, जिज्ञासा, चारू, श्याली, अंशिका, मिताली, पूनम प्रजापति, शम्भूदत्त, शिवेन्द्रदत्त, शिवांश दत्त, श्रेयांश, जर्नादन प्रजापति, विनोद प्रजापति, राधेश्याम प्रजापति, सन्तोष कुमार, शैलेन्द्र, विजेन्द्र, भोला, लालजी के साथ ही महासंघ के पदाधिकारियों ने उन्हें याद किया।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के स्वागत तैयारियों में जुटी भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद पहली बार 31 अगस्त को बस्ती आगमन को लेकर जिले में तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने प्रेस वार्ता कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

बताया कि राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का बस्ती की सीमा घघौवा स्थित होटल कनक से दोपहर 12 बजे प्रवेश होगा। इसके बाद विक्रमजोत, छावनी, हरैया, कप्तानगंज, गोटवा, फुटहिया, बड़ेवन,

कंपनी बाग, गांधीनगर, रोडवेज एवं दक्षिण दरवाजा होते हुए उनका काफिला होटल बालाजी प्रकाश पहुंचेगा, जहां भव्य आभार एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक स्वागत के लिए 127 स्थान निर्धारित किए जा चुके हैं।

प्रेस वार्ता में जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा, प्रेम प्रकाश चौधरी, नीरज त्रिपाठी सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बारावफात जुलूस में सिविल डिफेन्स की टीम ने किया जिला प्रशासन का सहयोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नागरिक सुरक्षा कोर (सिविल डिफेन्स) की टीम जिलाधिकारी/ नियंत्रक सिविल डिफेन्स कृत्तिका ज्योत्स्ना और अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) ज्ञानचन्द्र गुप्ता के निर्देशन में, उप जिला मजिस्ट्रेट/ प्रभारी अधिकारी सिविल डिफेंस राजेश कुमार यादव की देख रेख में बारावफात जुलूस के दौरान भीड़ नियंत्रण, शान्ति व्यवस्था कायम रखने में जिला प्रशासन का सहयोग किया। नागरिक सुरक्षा कोर बस्ती के डिप्टी चीफ वार्डेन डा.वी.के. वर्मा, डा. डी. के. गुप्ता ने बताया कि सिविल डिफेन्स के सेक्टर वार्डेन/ स्वयंसेवक विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सराहनीय योगदान दिया।

चीफ वार्डेन सिविल डिफेन्स डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी कार्यालय से जारी पत्र के क्रम में सेक्टर वार्डेन अनूप सिंह अस्पताल चौराहा, प्रमोद श्रीवास्तव कटरा मस्जिद, दीपक प्रजापति रौता चौराहा, रोहित लाल यादव फौव्वारा चौराहा, पूजा पाण्डेय शास्त्री चौक, उमेश कुमार मूडघाट चौराहा, प्रताप शंकर पाण्डेय बडेवन चौराहा, गुलाम मुस्तफा रोडवेज तिराहा, राजीव शरण महाराणा प्रताप चौक, देव नारायण पाठक दक्षिण दरवाजा, जी रहमान ने दरियाखां मोड़ पर योगदान दिया, इसके अलावा जुलूस के आगे बढ़ने पर अन्य स्थानों पर भी नागरिक सुरक्षा कोर बस्ती के पदाधिकारियों, सेक्टर वार्डनों, स्वयं सेवकों ने जुलूस के समापन तक सक्रिय रहे, आशीष श्रीवास्तव, काजी फरजान ने अपना योगदान दिया।

युवा केवल डाक्टर, इंजीनियर बनने का सपना न देखें-ऋषि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला टोली, द्वारा युवा केन्द्रित "युवा संवाद कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक ऋषि मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र शारीरिक प्रमुख जगदीश सिंह जी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविन्द सिंह की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए ऋषि ने कहा कि सफल जीवन के साथ सार्थक जीवन का लक्ष्य भी आवश्यक है। युवा केवल डाक्टर, इंजीनियर बनने का सपना न देखें, बल्कि अपने जीवन को समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाने का संकल्प लें। उन्होंने स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह एवं डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों

के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि धैर्य, अनुशासन, परिश्रम और विनम्रता व्यक्ति को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। "जो होता है होने दो" की भावना के स्थान पर युवाओं में संकल्प और पुरुषार्थ की भावना होनी चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं राष्ट्रबोध पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से अपनी संस्कृति, वेद–उपनिषद एवं गौरवशाली परंपराओं का अध्ययन करने का आग्रह किया।

संवाद के दौरान अखंड प्रताप, श्वेतांशु मिश्र, शोभित दूबे, दीपांकर मिश्रा, अमन मोदनवाल, अभिनव, गौरव शुक्ला सहित अन्य युवाओं ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका ऋषि जी ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति जागृत एवं संगठित होकर समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करे, यही सशक्त भारत की आधारशिला है।

उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष की यात्रा, स्वयंसेवकों के सामाजिक योगदान एवं प्रचारक जीवन के विषय में भी युवाओं को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज एवं राष्ट्र के लिए समर्पित जीवन में समाज का स्नेह ही सबसे बड़ा पुरस्कार है।

कार्यक्रम का संचालन आचार्य आशीष सिंह ने किया। अतिथि परिचय सह नगर कार्यवाह बृजेश जी ने और आभार विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविन्द सिंह जी ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन वन्दे मातरम् के सामूहिक गान के साथ हुआ। जिला प्रचारक सर्वेंद्र , सह नगर कार्यवाह मुन्ना जी, उपप्रधानाचार्य विजय नारायण उपाध्याय जी सहित बड़ी संख्या में युवा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन आयोजन में मनीष मिश्रा ने हजारों बहनों से बंधवाई राखी

– निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह बस्ती में आयोजित रक्षाबंधन समारोह भाई–बहन के आत्मीय संबंधा और मातृशक्ति के सम्मान का विराट उत्सव बन गया। कार्यक्रम में तीन हजार महिलाओं को आमंत्रित किया गया था। लेकिन मनीष मिश्रा को राखी बाँधने के लिए सुबह से ही महिलाओं का ताँता लग गया और करीब दस हजार बहनें आयोजन में शामिल हुई ।

महिलाओं ने मनीष मिश्रा को तिलक लगाया, उनकी आरती उतारी और उन्हें राखी बाँधी। मनीष मिश्रा ने सभी बहनों के स्नेह को सहर्ष स्वीकार करते हुए उनकी आरती उतारी। अपेक्षा से तीन गुना अधिक संख्या होने के बावजूद किसी को निराश नहीं लौटने दिया गया। करीब दस हजार बहनों को सम्मानपूर्वक साड़ियाँ और पारंपरिक नेग प्रदान किया गया।

समारोह के दौरान हजारों महिलाओं ने एक साथ 'वन्दे मातरम' का गायन किया। महिलाओं ने राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' को राष्ट्रगान के समान वैधानिक संरक्षण देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

इसके बाद पूरा प्रेक्षागृह राजनीतिक एवं राष्ट्रवादी नारों से गूँज उठा। महिलाओं ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के समर्थन में जिंदाबाद के नारे लगाए। इसके बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और सांसद निशिकांत दुबे के समर्थन में भी जोरदार नारे लगे।

इस अवसर पर बस्ती के लिए शुरू की गई निःशुल्क एम्बुलेंस एवं चलित स्वास्थ्य सेवा का भी औपचारिक शुभारंभ हुआ। पहले इसका उद्घाटन मनीष मिश्रा को करना था, लेकिन ऐन समय पर उन्होंने कहा, "इस सेवा का उद्घाटन मैं नहीं, बस्ती की हमारी कोई बुजुर्ग माता करेंगी।" इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित एक बुजुर्ग माता के हाथों एम्बुलेंस सेवा का उद्घाटन कराया गया। यह चलित स्वास्थ्य सेवा बस्ती के गाँव–गाँव जाकर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाएगी। इसके माध्यम से रक्त–जाँच, मधुमेह की जाँच, नेत्र परीक्षण, प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण और निःशुल्क दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मनीष मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' के संकल्प को साकार करते हुए यह सेवा बिना किसी जातिगत अथवा सामाजिक भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुँचेगी। जिस प्रकार 'रामजी का पेड़ा' और 'रामजी का झोला' जैसी पहलों में कभी जाति–पाँति नहीं देखी गई, उसी प्रकार इस स्वास्थ्य सेवा का लाभ भी बस्ती के प्रत्येक परिवार को मिलेगा।

राजू दास के बयान के विरोध में निषाद समाज ने फूंका पुतला, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एक डिबेट के दौरान महंत राजू दास द्वारा कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा के प्रयोग का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के विरोध में बुधवार को बस्ती जनपद के शास्त्री चौक पर कांग्रेस मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर राजबहादुर निषाद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और निषाद समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया और राजू दास का पुतला फूंका।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राजू दास के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे इंजीनियर राजबहादुर निषाद ने कहा कि किसी संत द्वारा इस तरह की कथित अभद्र भाषा का प्रयोग शोभनीय नहीं है। उन्होंने प्रशासन से राजू दास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ठोस कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो निषाद समाज आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

विकासशील इंसान पार्टी 'वीआईपी' के जिला अध्यक्ष पंकज निषाद और समाजवादी पार्टी पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव संदीप निषाद, आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामयज्ञ निषाद, ने भी राजू दास के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंच पर अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किसी संत की गरिमा के अनुरूप नहीं है। दोनों नेताओं ने राजू दास को हनुमानगढ़ी से जुड़े पद से हटाए जाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि निषाद समाज हमेशा प्रभु श्रीराम के सहयोग और सम्मान में खड़ा रहा है। ऐसे में समाज के किसी व्यक्ति के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का प्रयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस दौरान रामकृष्ण निषाद, अवधेश निषाद, सूर्या निषाद, पिंटू निषाद, विनोद निषाद, प्रतीक निषाद, सुरजीत निषाद, अनिल निषाद, सोमनाथ संत, आशुतोष निषाद, शुभम निषाद, रंजीत निषाद समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मन्नत फाउंडेशन ने झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के साथ मनाया रक्षाबंधन

–जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों को वितरित की राखी व मिठाइयां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मन्नत फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. हेमंत पाण्डेय के नेतृत्व में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में कटरा, स्टेशन रोड, कटेश्वरपार्क के निकट एवं अन्य स्थानों पर झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के बीच राखी और मिठाइयों का वितरण किया गया। इस दौरान महिलाओं और बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली।

इस अवसर पर डॉ. हेमंत पाण्डेय ने कहा कि मन्नत फाउंडेशन का उद्देश्य है कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी गरीब परिवार रक्षाबंधन जैसे त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के बीच राखी और मिठाइयां वितरित की गईं, ताकि वे भी उत्साह और खुशी के साथ रक्षाबंधन का पर्व मना सकें।

उन्होंने कहा कि त्योहार केवल सम्पन्न लोगों की खुशियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के हर वर्ग को इसमें शामिल होना चाहिए। जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही सेवा का वास्तविक उद्देश्य है।

डॉ. हेमन्त ने बताया कि मन्नत फाउंडेशन की ओर से समय–समय पर जरूरतमंद लोगों को उनकी आवश्यकतानुसार सामग्री वितरित की जाती है। संस्था आगे भी समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग की सहायता के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। रक्षाबंधन के अवसर पर राखी और मिठाइयां वितरित करने वालों में संजय पाण्डेय, सोनू पाठक, रितिक कुमार, धर्मेन्द्र पाण्डेय, अरून कुमार के साथ ही मन्नत फाउंडेशन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 अगस्त 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

सूचना विस्फोट और भरोसे का संकट

एक समय था जब सूचनाएं समाज तक पहुंचने से पहले सत्यापन, संपादन और विवेक की अनेक कसौटियों से गुजरती थीं। अखबारों, रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से प्रसारित समाचारों के पीछे पत्रकारिता की नैतिकता और संपादकीय उत्तरदायित्व होता था। सूचना का प्रवाह भले ही आज की तुलना में धीमा था, लेकिन उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका भरोसा था। मगर डिजिटल क्रांति ने संचार की इस पूरी संस्कृति को बदल दिया है। आज कोई अफवाह, अधूरा वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीर, किसी भाषण का काट–छांट किया गया अंश या किसी गुमनाम व्यक्ति की पोस्ट कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसी सामग्री के सही या गलत होने पर बहस बाद में होती है, लेकिन तब तक वह लोगों की सोच और सामाजिक धारणाओं को प्रभावित कर चुकी होती है।

इसलिए आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल झूठी सूचनाओं का प्रसार ही नहीं, बल्कि सत्य के प्रति समाज के भरोसे का कमजोर पड़ना भी है। निस्संदेह, डिजिटल माध्यमों ने संवाद को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। साधारण नागरिक भी घटनास्थल से तत्काल तस्वीरें और वीडियो साझा कर सकता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों का समन्वय तेज हुआ है। छोटे उद्यमियों को नए अवसर मिले हैं, कलाकारों और लेखकों को वैश्विक मंच मिला है तथा शिक्षा एवं शोध भौगोलिक सीमाओं से काफी हद तक मुक्त हुए हैं। जिन समुदायों की आवाज कभी मुख्यधारा तक नहीं पहुंचती थी, उन्हें भी अपने विचार रखने का अवसर मिला है। मगर तकनीक की यही शक्ति उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी बन गई है। डिजिटल मंचों की कार्यप्रणाली का उद्देश्य अक्सर सत्य की खोज से अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित करना होता है।

इसलिए संतुलित विश्लेषण की तुलना में सनसनी, तर्क की अपेक्षा भावनाएं और तथ्यों की तुलना में उत्तेजक सामग्री अधिक प्रभावशाली हो जाती है। क्रोध, भय और पूर्वाग्रह जैसी भावनाएं तेजी से फैलती हैं, जबकि संयमित और तथ्य आधारित व्याख्या पीछे छूट जाती है। लोग सोचने से पहले प्रतिक्रिया देने लगते हैं। भ्रामक सूचना कोई नई सामाजिक समस्या नहीं है। इतिहास अफवाहों, दुष्प्रचार और अतिशयोक्ति का साक्षी रहा है। अंतर केवल इतना है कि पहले झूठ को फैलने में समय लगता था, जबकि आज तकनीक ने उसे अभूतपूर्व गति और व्यापक पहुंच दे दी है।

जब कोई असत्य बार–बार दोहराया जाता है, तो वह सच जैसा प्रतीत होने लगता है। अधिकांश लोग किसी संदेश को साझा करने से पहले उसके स्रोत की पड़ताल नहीं करते। झूठ सिर्फ इसलिए सफल नहीं होता कि उसके पीछे मिथ्या तर्कों का जाल बुना होता है, बल्कि इसलिए सफल होता है कि वह सत्य से पहले लोगों तक पहुंच जाता है और उनकी भावनाओं को प्रभावित करता है। इसके दुष्परिणाम सार्वजनिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देते हैं।

चुनावों के दौरान भ्रामक आंकड़े, संदर्भ से काटे गए वीडियो और दुष्प्रचार के अभियान मतदाताओं को भ्रमित करते हैं। भारत जैसे बहुलतावादी समाज में सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों ने कई बार सांप्रदायिक तनाव को भी जन्म दिया। इससे स्पष्ट है कि आभासी दुनिया में फैलाया गया झूठ वास्तविक दुनिया में गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। 'डीपफेक' ने वास्तविक और कृत्रिम के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और हाव–भाव को इतनी सहजता से बदला जा सकता है कि सामान्य व्यक्ति के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। इससे गलत सूचना का खतरा ही नहीं बढ़ता, बल्कि सामाजिक विश्वास की नींव भी कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में समाधान संतुलित होना चाहिए, कठोर सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है।

डिजिटल मंचों को पूरी तरह अनियंत्रित छोड़ना भी उचित नहीं है, क्योंकि वे जनमत निर्माण की अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन चुके हैं। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच स्वस्थ संतुलन स्थापित करे। यदि सोशल मीडिया मंच पर किसी सामग्री को हटाया या सीमित किया जाता है, तो प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष होनी चाहिए। इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि तकनीकी कंपनियां अब केवल संचार का माध्यम नहीं हैं, वे समाज के वैचारिक परिवेश को आकार देने वाली संस्थाएं बन गई हैं।

उनके डिजिटल ढांचे इस बात को प्रभावित करते हैं कि लोग क्या पढ़ेंगे, क्या देखेंगे और किन विषयों पर चर्चा करेंगे। इसलिए उन्हें अपनी कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी बनानी होगी, भारतीय भाषाओं में तथ्य–जांच की सशक्त व्यवस्था विकसित करनी होगी, भ्रामक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई करनी होगी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित सामग्री को स्पष्ट रूप से चिह्नित करना होगा। साथ ही सामग्री नियमन से जुड़े निर्णय स्वतंत्र निगरानी और सार्वजनिक समीक्षा के दायरे में होने चाहिए।

इस परिदृश्य में पारंपरिक पत्रकारिता की भूमिका भी पहले से अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। सूचना की बाढ़ के दौर में केवल तथ्य प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं है, उनके संदर्भ, पृष्ठभूमि और प्रभाव को समझाना भी आवश्यक है। इसमें डिजिटल साक्षरता की भी अहम भूमिका है। नागरिकों को यह समझना जरूरी है कि कौन–सी सूचना विश्वसनीय है, कौन–सा वीडियो कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है, कौन–सी भाषा केवल भावनाएं भड़काने के लिए प्रयुक्त हुई है और किन तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की जानी चाहिए।

दरअसल, आज आवश्यकता तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय विचारपूर्वक निर्णय लेने की संस्कृति विकसित करने की है। हर सूचना पर तुरंत विश्वास करना जितना खतरनाक है, उतना ही जोखिमपूर्ण उसे बिना कारण अनदेखा करना भी है। परिपक्व लोकतांत्रिक समाज वही है जहां नागरिक प्रश्न पूछते हैं, प्रमाण तलाशते हैं और पर्याप्त तथ्य उपलब्ध होने तक निर्णय सुरक्षित रखने का धैर्य रखते हैं। यह बौद्धिक धैर्य लोकतंत्र की बड़ी शक्ति है। आभासी दुनिया में भ्रामक सूचनाओं की चुनौती का समाधान सरकार, तकनीकी कंपनियों, मीडिया, शिक्षा जगत और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलित कानून बनाने होंगे। तकनीकी कंपनियों को सार्वजनिक विमर्श पर अपने प्रभाव को स्वीकार करते हुए अधिक जवाबदेह बनना होगा। शिक्षा जगत को आलोचनात्मक चिंतन और डिजिटल साक्षरता को आवश्यक कौशल बनाना होगा।

प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि वह केवल सूचना का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसके प्रसार की शृंखला का उत्तरदायी हिस्सा भी है। डिजिटल क्रांति ने मानवता को संवाद, सहयोग और नवाचार की असीम संभावनाएं दी हैं। इन उपलब्धियों को सुरक्षित रखने के लिए सत्य, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के प्रति समान प्रतिबद्धता आवश्यक है।

खबरों की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

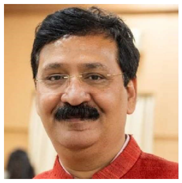

–प्रो. संजय द्विवेदी–

मीडिया की दुनिया के लिए यह सबसे कठिन समय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सब कुछ हिलाकर रख दिया है। अगले पांच वर्षों में न्यूज रुम का चेहरा बदलने के संकल्प के साथ इस नए ज्ञान क्षेत्र ने जितने कम समय में अपनी उपयोगिता बनाई है, वह चकित करने वाली है। जिस दौर में समूचा मीडिया विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट से जूझ रहा है, ऐसे समय में एआई के लिए मीडिया समूहों का उत्साह और उसकी स्वीकार्यता वास्तव में आश्चर्य में डालने वाली है।

सही मायनों में यह वह समय है जब आंखों देखी तथा कानों सुनी बातें भी छलावा और धोखा साबित हो रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक ने सूचनाओं का ऐसा धुंधला समंदर रच दिया है, जहाँ कुछ क्षणों में फर्जी खबरें सच का लिबास पहनकर तैरने लगती हैं। ऐसे में सवाल केवल यह नहीं है कि खबर कितनी तेजी से आप तक पहुँच रही है, बल्कि असली चुनौती यह है कि उस पर भरोसा कितना किया जाए। मशीनी एल्गोरिदम शब्दों को सजा सकता है, आंकड़े जोड़ सकता है, लेकिन सच को तलाशने की नैतिक हिम्मत और मानवीय संवेदना केवल एक निष्पक्ष पत्रकार के पास ही होती है।

डीपफेक से मुकाबला–

युद्ध और राजनीतिक भाषणों के फर्जी वीडियो और आडियो वायरल हो जाना अब नई बात नहीं रही। पिछले चुनाव में भी कई दिवंगत नेताओं के वीडियो चले जिसमें वे अपनी पार्टी के वोट की अपीलें कर रहे हैं। जनमत को प्रभावित करने के लिए ऐसे प्रयास चरम पर हैं, जिनकी विश्वसनीयता शून्य है। श्वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरमश की एक रिर्पोट में एआई जनित गलत सूचनाओं को दुनिया के बड़े खतरों में बताया गया है। आज दुनिया और देश के अनेक बड़े मीडिया हाउस आधिकारिक तौर पर एआई का उपयोग डेटा विश्लेषण और अनुवाद के लिए कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि कई हजार पेज के डेटा का आंकलन –विश्लेषण सामान्य मनुष्य के लिए कई महीनों का काम है जिसे एआई के टूल्स मिनटों में संभव कर रहे हैं। बावजूद इसके अनेक मीडिया आउटलेट्स एआई से खबरें या विश्लेषण लिखवाकर हंसी के पात्र बन रहे हैं। ऐसे में संशोधन, सुधार और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त सामग्री से कचरा तो बढ़ ही रहा है, विश्वनीयता के नए संकट सामने हैं। बड़े भाषा माडल (एलएलएम) कभी पूरी तरह से काल्पनिक आंकड़े, अदालत के फैसला और ऐतिहासिक घटनाएं गढ़ते हुए दिखते हैं। जिसे सामान्य पाठक सच समझ बैठता है। तकनीकी विशेषज्ञ इसे हैलुसिनेशन कह रहे हैं। जिसका सीधा आशय यह है कि जिन चीजों के सटीक जवाब एआई के पास नहीं होते वह उनके मनगढंत उत्तर प्रस्तुत कर देता है। सजग संपादक और संपादकीय दृष्टि के अभाव में यह सामग्री कई तरह से संकट पैदा कर सकती है।

सच और झूठ का फासला बहुत कम हो गया है। खबरों का सत्यापन पत्रकारिता की पहली शर्त है। लेकिन होड़ और दौड़ में वह धूमिल हो रही है। सामान्य से लगते कामों में एआई का उपयोग तो किया जा रहा है किया भी जाना चाहिए। किंतु किसी खोजी रिपोर्ट के लिए जमीनी स्तर पर जाकर काम करना, कागजात की जांच करना पत्रकारों की ही जिम्मेदारी है। तकनीक पर अति निर्भरता के समय में हमें उसके गंभीर खतरों का भी भान होना चाहिए। मैदानी पत्रकारिता में मिट्टी की जो खुशबू है वह मैदान में उतरे बिना प्रामणिक और भरोसेमंद नहीं हो सकती। मानवीय संस्पर्श और संवेदना किसी खबर का वितान बड़ा कर सकती है। जाहिर तौर पर पत्रकारिता की निर्भरता पूरी तरह एआई टूल्स पर संभव नहीं है। पत्रकारिता जहां निष्पक्षता, समाज के हित–सद्भाव, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर चिंतन को प्राथमिकता देती है, वहीं एल्गोरिदम का पूर्वाग्रह संभव है। अतः इसे समझने की जरुरत है। एआई माडल उसी डेटा से सीखते हैं जो उपलब्ध है। ऐसे में उपलब्ध डेटा अगर किसी प्रकार के पूर्वाग्रह से ग्रस्त है तो एआई भी उसी प्रकार के परिणाम देगा। कई शोध बताते हैं कि पश्चिमी मानकों पर ट्रेंड एआई माडल अक्सर विकासशील देशों के सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भों पर गलत संदर्भ प्रस्तुत करते हैं।

आसानी से अर्जित नहीं होता भरोसा–

भरोसा या विश्वास वह शब्द है जिसे प्राप्त करना आसान नहीं है। आप भले एआई का उपयोग करें किंतु जैसे ही आप यह लिखते हैं कि दृ"खबर एआई द्वारा बनी है और इसे मानव संपादक के द्वारा देख लिया गया है।" पाठक का भरोसा एआई जनित खबर पर तुरंत कम हो जाता है। पाठक वास्तविक पत्रकारों और लेखकों द्वारा लिखी गई सामग्री को ज्यादा भरोसेमंद मानते हैं। कोई भी अखबार या मीडिया हाउस सालों–साल में यह प्रतिष्ठा अर्जित करता है। उसे एआई के नए माध्यम तुरंत समाप्त कर सकते हैं। दूसरी ओर कापीराइट और बौद्धिक संपदा से जुड़े संकट भी सामने खड़े हैं। कई प्रमुख मीडिया संगठन इस बात पर आपत्ति कर रहे हैं तो कई ने बिना अनुमति और बिना भुगतान उनकी सामग्री के उपयोग के लिए एआई कंपनियों पर मुकदमे भी किए थे। ऐसे में तमाम ऐसे विवाद अभी भी एआई के साथ जुड़े हुए हैं। बताया जाता है कि इंटरनेट पर हजारों की संख्या में ऐसी वेबसाइट्स तैर रही हैं जो केवल विज्ञापन से पैसे कमाने के लिए झूठ का व्यापार कर रही हैं। वे हर पल एआई से झूठी खबरें गढ़ते हुए पोस्ट करती रहती हैं। मीडिया वाचडाग न्यूज गार्ड ने ऐसे तमाम अविश्वसनीय वेबसाइटों की पहचान की है। ऐसे में सच और झूठ के बीच मीडिया के सत्यान्वेषण का धर्म सहम कर रह जाता है। हम सब मानते हैं संपादकीय विवेक का कभी कोई विकल्प नहीं हो सकता। इस दौर में भी यह एक सच्चाई है। नैतिक विवेक और समाज की गहरी समझ के बिना किया गया कोई भी संवाद या संचार संकट ही खड़ा करेगा।

मुख्यधारा के मीडिया की ओर लौटना होगा–

सारी तकनीकी क्रांति के बाद भी मुख्यधारा के मीडिया का वजूद बचा रहेगा क्योंकि एआई जनित भ्रमों, फर्जी खबरों की बाढ़ के बीच हमें सत्यापित जानकारी की ओर लौटना ही है। ऐसे में 'प्रिंट इज डेड' जैसी अवधारणाओं के बीच भी मुख्यधारा का मीडिया अपनी विशेषताओं के कारण, संपादकीय गुणवत्ता के कारण बना और बचा रहेगा। सत्य आसानी से नहीं मिलता, इसे समाज भी स्वीकारेगा। इसके साथ ही प्रामणिक और भरोसेमंद मंचों की ओर लौटना ही होगा। क्योंकि यहां प्रामणिक मंच केवल खबरों का व्यापार नहीं कर रहे होगें बल्कि वे अपनी खबरों के सच होने के गारंटी भी देगें। जाहिर है पारंपरिक मीडिया के लिए वह दिन बहुत खास होगा। डीपफेक और एल्गोरिदम के समय में अब चुनौती ही असली और सही खबर पाना है। क्या वो आपके पास है?

समय के साथ बदलता रक्षाबंधन

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

रक्षाबंधन का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, दिल पर बंधता है। यह एक वादा हैकृसाथ निभाने का, सुरक्षा का और बिना कहे समझ लेने का। बहन की राखी में वह मासूम दुआ होती है, जो शब्दों में नहीं कही जाती और भाई की आँखों में वह संकल्प होता है, जो हर चुनौती से लड़ने का हौसला देता है। समय चाहे जितना बदल जाए, दूरियाँ कितनी भी बढ़ जाएँ, यह धागा हर बार रिश्तों की गर्माहट लौटा लाता है। रक्षाबंधन महज एक उत्सव नहीं, बल्कि एक एहसास है जो हर वर्ष हमें अपने रिश्तों की ओर लौटने का अवसर देता है।

भारत विविधताओं से भरा देश है, जहाँ हर त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं विशेष पर्वों में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई–बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह परिवर्तन केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, उद्देश्य और सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट दिखाई देता है। रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हुई हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूँ को राखी भेजने की लोकप्रिय ऐतिहासिक कथाकृराखी लंबे समय से स्नेह, विश्वास और संरक्षण के भाव से जुड़ी रही है। परंपरागत रूप से बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता था। इस रिश्ते में प्रेम, विश्वास और समर्पण की गहरी भावना निहित थी।

लेकिन आज रक्षाबंधन का दायरा केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रहा। कई महिलाएँ अपने मित्रों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहाँ तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह बदलाव बताता है कि 'रक्षा' अब केवल किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारी का व्यापक भाव बन चुकी है।

सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि रक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा। आज बहनें भी अपने भाइयों से कहती हैं"मैं भी तेरी रक्षा करूँगी।" यह वाक्य बदलते सामाजिक संबंधों की पूरी तस्वीर सामने रखता है। भाई और बहन दोनों एक–दूसरे के सुख–दुख में सहभागी, सहायक और संरक्षक हो सकते हैं।

तकनीक ने भी रक्षाबंधन मनाने के तौर–तरीकों को बदल दिया है। पहले राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, जबकि आज डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल समारोह रिश्तों को जोड़ने के नए माध्यम बन गए हैं। विदेशों या दूर–दराज के शहरों में रहने वाले भाई–बहन भले शारीरिक रूप से एक–दूसरे से दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल के माध्यम से राखी बाँधने और शुभकामनाएँ देने की परंपरा ने दूरी को कम करने का नया रास्ता दिया है। कुछ लोग डिजिटल माध्यमों को भावनाओं की कमी से जोड़ सकते हैं, लेकिन वास्तविकता यह भी है कि तकनीक ने दूरियों के बीच भावनात्मक संपर्क बनाए रखना आसान किया है। माध्यम बदला है, भावना नहीं।

उपहारों के संदर्भ में भी रक्षाबंधन की परंपरा बदल रही है। पहले भाई द्वारा बहन को मिठाई और उपहार देना प्रेम की अभिव्यक्ति माना जाता था। आज कई बहनों की प्राथमिकता अलग है। वे कहती हैंकृ"भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ा समय चाहिएय फुर्सत चाहिएय समझ चाहिए।" यह बदलाव आधुनिक महिला की बदलती आकांक्षाओं को दर्शाता है। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह केवल आर्थिक उपहार नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग, सम्मान, संवाद और बराबरी की भागीदारी चाहती है। इसलिए रिश्तों में वस्तुओं की जगह समय और संवेदनशीलता का महत्व बढ़ रहा है।

परंपरागत रूप से रक्षाबंधन का अर्थ थाकृ"भाई बहन की रक्षा करेगा।" आज यह अवधारणा व्यापक हो रही है। लड़कियाँ आत्मनिर्भर हैं और अपने भाइयों की आर्थिक, भावनात्मक, शैक्षणिक तथा सामाजिक रूप से मदद कर रही हैं। भाई भी बहनों के सपनों और निर्णयों का साथ दे रहे हैं। इस प्रकार रक्षाबंधन अब केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और साझेदारी का पर्व बनता जा रहा है।

इसी बदलाव का एक सुंदर विस्तार प्रकृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी में भी दिखाई देता है। कई स्थानों पर पेड़ों को राखी बाँधने की परंपरा विकसित हुई है। बच्चे और महिलाएँ वृक्षों को राखी बाँधकर यह संदेश देते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं हैय प्रकृति भी हमारी देखभाल और संरक्षण की हकदार है। इसी तरह सैनिकों को राखी भेजना देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को व्यक्त करता है।

रक्षाबंधन का यह बदलता स्वरूप लैंगिक भूमिकाओं की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती देता है। बहनें अब केवल 'रक्षा की याचक' नहीं हैंय वे स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और संवेदनशील नागरिक हैं। अनेक परिवारों में बहनें अपने भाइयों की आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह बदलाव बताता है कि रक्षाबंधन धीरे–धीरे पौरुष और स्त्रीत्व के पारंपरिक साँचों से बाहर निकलकर मानवीय मूल्यों और समानता के धरातल पर खड़ा हो रहा है। आज के व्यस्त जीवन में भावनाओं की अभिव्यक्ति के तरीके भले बदल गए हों, लेकिन उनकी आवश्यकता कम नहीं हुई है। भाई–बहन अब केवल राखी के दिन ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष एक–दूसरे के जीवन में सहयोगी बने रहते हैं। रक्षाबंधन उन रिश्तों को फिर से महसूस करने का अवसर है, जिनमें कभी बचपन के झगड़े होते हैं, कभी नाराजगी, कभी हँसी और कभी अपार स्नेह। इस अर्थ में रक्षाबंधन हमें याद दिलाता है कि रिश्ते केवल बनाए नहीं जाते, उन्हें निभाया जाता है।

रक्षाबंधन का सामाजिक स्वरूप भी व्यापक हुआ है। यह पर्व अब केवल पारंपरिक पारिवारिक दायरे तक सीमित न रहकर सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और मानवीय संबंधों की भावना को भी अभिव्यक्त करता है। अलग–अलग समुदायों के लोग एक–दूसरे के प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त करने के लिए राखी को माध्यम बनाते हैं। सैनिकों को राखी भेजना हो या विभिन्न समुदायों के बीच राखी के माध्यम से भाईचारे का संदेश देनाकृये पहल बताती हैं कि रक्षा और अपनत्व की भावना किसी धर्म, जाति या समुदाय की सीमा में बंधी नहीं है।

रक्षाबंधन के बदलते मायने हमें यह समझाते हैं कि त्योहार केवल रस्में नहीं होतेय वे विचार भी होते हैं और भावनाएँ भी। आज का रक्षाबंधन हमें सिखाता है कि रक्षा एकतरफा नहीं, परस्पर होती हैय रिश्ते केवल खून से नहीं, भावना से भी बनते हैंय प्रकृति, समाज और देश भी हमारी जिम्मेदारी हैं, और महिला केवल संरक्षित नहीं, संरक्षक भी हो सकती है। यही कारण है कि रक्षाबंधन का आधुनिक स्वरूप परंपरा को नकारता नहीं, बल्कि उसके मूल भाव को और व्यापक बनाता है। राखी का धागा आज भी वही है, लेकिन उसके अर्थ का विस्तार हो गया है। अब यह केवल भाई की कलाई पर बंधा धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समानता, सहयोग और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक मानवीय और दार्शनिक दृष्टिकोण है जो हमें बताता है कि प्रेम, समर्पण, समानता और पारस्परिक सम्मान से ही रिश्ते मजबूत होते हैं और समाज टिकाऊ बनता है।

जयशंकर, डोभाल की रूस-चीन यात्रा के निहितार्थ

– कमलेश पाण्डेय–

महान भारतीय कूटनीतिज्ञ आचार्य चाणक्य ने कहा था कि ष्हर मित्रता के पीछे कुछ स्वार्थ होता है। स्वार्थ के बिना कोई मित्रता नहीं हो सकती। यह एक कड़वा सच है।ष अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर उनकी बात हू–ब–हू लागू होती है। उनकी इसी बात से प्रेरणा लेते हुए समकालीन भारतीय नेतृत्व यानी भारत दुनिया की किसी एक शक्ति–धुरी में बंधने के बजाय रूस, चीन और पश्चिमकृ तीनों के साथ अपने हितों के अनुसार समानांतर कूटनीति चला रहा है। स्वाभाविक है कि कूटनीतिक संतुलन में बाधाएं आएंगी ही और सम्बन्धों में थोड़ी सी गफलत भारत को बहुत क्षति पहुंचा सकती है। इसलिए जब जब ऐसी सम्भावनाएं बलवती दिखाई देती हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भरोसेमंद सिपहसालार सक्रिय हो जाते हैं। वाकई, यह संयोग नहीं है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल चीन में लगभग एक ही समय में अपने अपने होमवर्क को दुरुस्त करने को लेकर सक्रिय हैं। गत 23दृ24 अगस्त को जयशंकर ने मॉस्को में भारत–रूस सहयोग पर बातचीत की, जबकि डोभाल 24दृ25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत–चीन सीमा विवाद पर 25वें विशेष प्रतिनिधि दौर में हिस्सा लिए। इसके गहरे कूटनीतिक निहितार्थ हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों की मानें तो एक ही समय में भारत की तरफ से दो महत्वपूर्ण कूटनीतिक यात्राएं चल रही है, जिसके दृष्टिगत विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में हैं, जबकि छै। अजीत डोभाल चीन में रणनीतिक बातचीत कर रहे हैं। दरअसल, ये यात्राएं भारत की उस कुशल विदेश नीति का हिस्सा है, जिसमें सर्वाधिक मजबूत दुश्मन देश चीन के साथ तनाव कम करने का प्रयास तो शामिल है ही, लगे हाथ अपने पुराने वफादार मित्र रूस संग पुराने संबंधों को बदली हुई परिस्थितियों में और मजबूती देने की भगीरथ कोशिश चल रही है।

इसी के तरहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सीमा विवाद को लेकर होने वाली बातचीत में हिस्सा लिए। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। खासकर अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव को जो कम करने की शुरुआत की थी, उसके बाद से ही दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है जबकि यह गलवान झड़प के बाद थम सा गया था। हालांकि सुधार के संकेतों के बावजूद यह नहीं कह सकते कि भरोसा पूरी तरह लौट आया है, क्योंकि हाल में अरुणाचल प्रदेश को लेकर पेइचिंग द्वारा अपनाया गया रुख इसका सच्चा सबूत है।

यही वजह है कि चीन और रूस दोनों से पुनः बातचीत की जरूरत आन पड़ी है। वहीं ब्रिक्स की मेजबानी से पहले उपजे अरुणाचल गतिरोध के पीछे भी चीनी चाल को समझने की जरूरत है। यह ठीक है कि दोनों ही देशों का हित सीमा पर शांति और स्थिरता में निहित है। उसके मद्देनजर यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि सितंबर में भारत को ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करनी है। इसमें शी चिनफिंग के भी आने की चर्चा है, लेकिन उन्होंने कन्नी काटने के बहाने ढूंढ लिए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अगस्त के आखिर में जब पीएम मोदी ैब्व समिट के लिए चीन के तियानजिन गए थे, तो वहां शी के साथ मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों को गति देने में मदद की थी। तब दोनों ने दोहराया था कि भारत और चीन विकास के साझेदार है और आपसी मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए। यह बात आज भी उतना ही सच है।

उधर, भारत पर बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच जयशंकर की मॉस्को यात्रा की अहमियत भी मौजूदा भू–राजनीति को देखते हुए अहम हो जाती है, क्योंकि गत सोमवार को उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। फिर वे अपने समकक्ष से मिले। इस दौरान बातचीत के अजेंडे में व्यापार और ऊर्जा से लेकर वैश्विक मुद्दे तक शामिल रहे है, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय कसौटी पर ये खरे उतरे हुए द्विपक्षीय सम्बन्ध हैं। पांचवां, लेकिन भारत

नेपाल में बाढ़ से भारत में तबाही: बादल फटे, यूपी के सीमावर्ती जिलों में बढा खतरा, प्रशासन सतर्क

संवाददाता—कुशीनगर। नेपाल के त्रिशूली और भोटेकोशी नदी क्षेत्रों में भारी बारिश व बादल फटने से आई भीषण आपदा का असर अब उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों पर दिखने लगा है। त्रिशूली नदी में आए उफान और जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि के चलते भारतीय निचले इलाकों में बाढ़ की गंभीर आशंका पैदा हो गई है। भीषण बाढ़ को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिंता जताई है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया एक्स के माध्यम से बताया कि इसके प्रभाव से कुशीनगर और महराजगंज में नारायणी नदी के जलस्तर में वृद्धि और बाढ़ की संभावना को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को पूरी सतर्कता बरतने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने नेपाल में प्रभावित लोगों की सुरक्षा की कामना करते हुए प्रशासन को संभावित स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है। नेपाल में आई बाढ़ के बाद कुशीनगर के नारायणी तटवर्ती क्षेत्रों में भी प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है महराजगंज जिला प्रशासन के साथ—साथ गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर और आसपास के नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। गंडक, रोहिन और भोटेकोशी—त्रिशूली नदी तंत्र से जुड़ी सहायक नदियों के जलस्तर की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

नेपाल के नवलपरासी पश्चिम स्थित जिला विपद् व्यवस्थापन समिति से मिली सूचना के बाद नारायणी नदी के तटीय और दियारा क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बुधवार सुबह 9:40 बजे जारी सूचना के अनुसार नेपाल के नुवाकोट क्षेत्र में भारी बारिश हुई है। बारिश का पानी नुवाकोट बाजार को प्रभावित करते हुए गल्छी से नीचे तक पहुंचने की सूचना है।ऐसे में इसका असर नारायणी नदी के जलस्तर पर पड़ने की आशंका जताई गई है। नेपाल में हुई भारी बारिश के मद्देनजर खड्डा तहसील के नारायणी नदी के तटीय और दियारा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। नदी का पानी बढ़ने की स्थिति में निचले इलाकों में पानी पहुंचने की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों से सुरक्षित और ऊंचे स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहने की अपील की गई है। प्रशासनिक स्तर से लोगों को खाने—पीने की आवश्यक सामग्री, जरूरी कागजात और कीमती सामान सुरक्षित रखने के साथ बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती और प्रसूता महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थान पर ले जाने की सलाह दी गई है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम के निर्देशों का पालन करने तथा अफवाहों से बचने की अपील भी की गई है। खड्डा तहसील के दियारा क्षेत्र के गांव शिवपुर,हरिहरपुर, नरायनपुर, मरिचहवा, बसंतपुर में खास सतर्कता बरती जा रही है, क्योंकि नेपाल में हुई बारिश का असर नदी के जलस्तर पर पड़ सकता है। नेपाल में हुई भारी बारिश के बाद नारायणी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। बुधवार को जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर और पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ खड्डा तहसील के संभावित बाढ़ प्रभावित दियारा क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने शिवपुर गांव पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे बातचीत की और नदी व बाढ़ की संभावित स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। अधिकारियों ने बचाव एवं राहत कार्यों की तैयारियों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा—निर्देश दिए। नेपाल के रसुवा जिले के सीमावर्ती टिमुरे क्षेत्र में तिब्बत की ओर से अचानक भारी जलप्रवाह आने से भोटेकोशी नदी में आई आकस्मिक बाढ़ के बाद महराजगंज में सतर्कता बढ़ा दी गई है। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि आज सुबह करीब नौ बजे टिमुरे बाजार व आसपास के नदी तटीय क्षेत्रों में क्षति की सूचना मिली है। इसका असर भोटेकोशी—त्रिशूली नदी तंत्र के जरिए निचले क्षेत्रों में पड़ने की आशंका को देखते हुए गंडक नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। डीएम के निर्देश पर सभी तहसीलों, राजस्व, पुलिस, एसडीआरएफ व अन्य विभागों को अलर्ट किया गया है। नदी तटीय व निचले इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित व ऊंचे स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी पूरी है। जिलाधिकारी ने कहा कि नदी किनारे रहने वाले लोग सतर्क रहें, नदी—नालों व जलभराव वाले क्षेत्रों के पास न जाएं, बच्चों, बुजुर्गों व पशुओं को भी दूर रखें और अफवाहों पर ध्यान न दें। नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार सुबह भोटेकोशी नदी में अचानक आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। बाढ़ से सड़क, पुल और अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। पड़ोसी देश में अचानक आई इस बाढ़ ने सिद्धार्थनगर में भी नदियों को लेकर प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि फिलहाल जिले में स्थिति सामान्य है और सभी प्रमुख नदियां खतरा बिंदु से नीचे बह रही हैं। ड्रेनेज खंड की बुधवार सुबह आठ बजे की रिपोर्ट के अनुसार बानगंगा बैराज पर बानगंगा

नेपाल की बारिश से पहाड़ी नाला उफनाया, तीन श्रद्धालु फंसे

संवाददाता—श्रावस्ती। सिरसिया क्षेत्र में सोनपथरी आश्रम के पास नाले में स्नान कर रहे तीन श्रद्धालु तेज बहाव में फंस गए। बुधवार को सुबह 10 बजे इसकी जानकारी मिली की घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर देखा जा रहा है, वहीं स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।सोमवार को नेपाल की पहाड़ियों में हुई बारिश के कारण कुछ देर के लिए पहाड़ी नाला अचानक उफना गया था। जानकारी के अनुसार, सोमवार को कई श्रद्धालु सोनपथरी आश्रम में दर्शन—पूजन के लिए आए थे। इनमें से कुछ लोग आश्रम के पास बहने वाले पहाड़ी नाले में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान नेपाल के पहाड़ी इलाकों में हुई भारी बारिश का पानी नाले में पहुंचा, जिससे जलस्तर तेजी से बढ़ा और श्रद्धालु उसकी चपेट में आ गए।स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तीनों श्रद्धालुओं को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि प्रशासन की तरफ से इस घटना की कोई पुष्टि नहीं की गई है, फिलहाल सभी लोग सुरक्षित हैं। सिरसिया क्षेत्र का सोनपथरी आश्रम श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख आस्था केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में लोग दर्शन—पूजन के लिए आते रहते हैं और अक्सर आश्रम के पास बहने वाले नाले में स्नान करते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश के बाद इन नालों में जलस्तर अचानक बढ़ने का खतरा रहता है, जिसके लिए श्रद्धालुओं को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

पिता ने बेटे पर चाकू—पत्थर से हमला किया

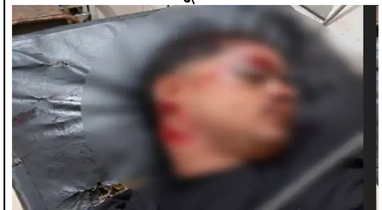

संवाददाता—गोण्डा। जिले के खोडारे थाना क्षेत्र के साबरपुर गांव में बुधवार तड़के 2 बजे 60 वर्षीय नसरुल्ला नामक पिता ने सोते हुए अपने 22 वर्षीय बेटे तनवीर पर चाकू और पत्थर से कई बार हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर हालत में तनवीर को परिवार के लोग तड़के 2:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनजोत ले गए। वहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। गोंडा में भी हालत में सुधार न होने पर उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया, जहां एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता नसरुल्ला मौके से फरार हो गया।

बताया जा रहा है कि नसरुल्ला का किसी अन्य महिला के साथ प्रेम संबंध है और वह उसे अपने घर में रखना चाहता है। उसके बेटे इस बात का लगातार विरोध कर रहे थे, जिसके चलते पिता अक्सर उनके साथ मारपीट करता था। इस घटना के बाद पूरे साबरपुर गांव में हड़कंप मच गया है। घायल बेटे तनवीर ने बताया कि उसके पिता दूसरी महिला के साथ रहना चाहते हैं और इसी कारण उन्होंने उस पर चाकू से हमला किया। उसने यह भी कहा कि पिता नहीं चाहते कि बच्चे घर पर रहें और आए दिन उनके साथ मारपीट करते हैं।

खोण्डारे थाना अध्यक्ष कृष्ण गोपाल राय ने जानकारी दी कि पिता ने अपने बेटे पर चाकू और पत्थर से जानलेवा हमला किया है। पुलिस ने परिवार के सदस्यों से तहरीर मांगी है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिवार के लोगों ने रात में पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी थी। आज सुबह 10:00 बजे के करीब हम लोगों को सूचना मिली है इसके बाद हम लोगों ने जांच शुरू की है। लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती है। जहां पर इलाज चल रहा है। परिवार के लोगों से लगातार हम लोग संपर्क कर रहे हैं।

एक ही परिवार से उठे चार जनाजे, बारावफात पर पसरा मातम, अंतिम यात्रा में हजारों की भीड़

संवाददाता—बलरामपुर। मंगलवार की शाम एक सड़क हादसे ने एक पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। जिस घर से बच्चों की पढ़ाई और बारावफात की तैयारियों को लेकर चहल—पहल होनी थी, बुधवार को उसी घर से एक साथ चार जनाजे उठे। हर आंख नम थी और हर जुबान पर हादसे का जिक्र। यू—टर्न लेते समय तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आई कार में सवार मौलाना मोहम्मद शरीफ (50), उनकी पत्नी तबस्सुम बानो (45), बेटे उजैम (22) और बेटी रुश्दा (14) की मौत हो गई। हादसे में सात वर्षीय बेटी हुदा गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला बलुआ निवासी मौलाना मोहम्मद शरीफ मंगलवार सुबह अपनी कार से भिनगा से लखनऊ के लिए निकले थे। उनके साथ पत्नी तबस्सुम बानो और बच्चे उजैम, रुश्दा व हुदा भी थे। बताया गया कि मौलाना अपने बच्चों को लखनऊ छोड़ने जा रहे थे। बेटा उजैम लखनऊ में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था, जबकि दूसरा बच्चा भी वहीं पढ़ाई करता था। इसी दौरान बाराबंकी—बहराइच हाईवे पर बिंदोरा चौराहे के पास परिवार ढाबे की ओर मुड़ने के लिए यू—टर्न ले रहा था। तभी तेज रफ्तार डंपर ने कार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौलाना मोहम्मद शरीफ, उनकी पत्नी तबस्सुम बानो, बेटे उजैम और बेटी रुश्दा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सात वर्षीय हुदा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना जैसे ही बलरामपुर पहुंची, परिवार में चीख—पुकार मच गई। देखते ही देखते मोहल्ले में मातम पसर गया। पारिवारिक दामाद ने बताया कि मौलाना मोहम्मद शरीफ भिनगा के मदरसा अरबिया अनवारूल उलूम में शिक्षक थे। परिवार के बच्चों की पढ़ाई लखनऊ में चल रही थी। इसके साथ ही परिवार की बड़ी बेटी का लखनऊ में इलाज चल रहा था। उसे देखने और बच्चों को लखनऊ छोड़ने के लिए वह परिवार के साथ निकले थे।बताया गया कि रास्ते में परिवार के साथ चाय—नाश्ता करने के लिए ढाबे की ओर कार मोड़ी जा रही थी। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार डंपर आ गया और कार को रौंद दिया। कुछ ही सेकंड में परिवार की जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। बुधवार को जिले में बारावफात को लेकर लोगों में उत्साह था। नगर और मोहल्लों में सजावट की जा रही थी। लोग त्योहार की तैयारियों में जुटे थे, लेकिन हादसे की खबर ने बलुआ मोहल्ले की खुशियों को मातम में बदल दिया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग परिवार के घर पहुंचने लगे। घर की महिलाओं का रो—रोकर बुरा हाल था। मां की मौत के बाद बच्चों को याद कर परिजन बार—बार बेसुध हो रहे थे। बुधवार सुबह चारों शव जब घर पहुंचे तो माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। जनाजे के साथ चलने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर तरफ सिसकियां सुनाई दे रही थीं। कुछ ही घंटों में एक परिवार के चार जनाजे एक साथ उठे और लोगों ने नम आंखों से उन्हें सुपुर्द खाक किया। मौलाना मोहम्मद शरीफ का पैतृक घर नगर के मोहल्ला बलुआ में है। उनके चार बेटे बताए गए हैं। परिवार करीब दस वर्षों से भिनगा के पुरानी बाजार में मकान बनाकर रह रहा था। उनके बेटों में सुहेम (21), सुरेम (18) और नोएम (14) हैं। हादसे में उजैम की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह परिवार इसी घर से लखनऊ के लिए रवाना हुआ था, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर परिवार के लिए आखिरी सफर साबित होगा।

धूमधाम से मनाई गई ईद मिलादुन्नबी, जुलूस—ए—मोहम्मदी में उमड़े अकीदतमंद

संवाददाता—देवरिया। ईद मिलादुन्नबी (बारावफात) का पर्व बुधवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक घरों, मस्जिदों और प्रमुख स्थानों को रंग—बिरंगी रोशनी, झंडियों और आकर्षक सजावट से सजाया गया। कई जगह मस्जिदों और दरगाहों के मॉडल भी बनाए गए, जिन्हें देखने के लिए देर रात तक लोगों की भीड़ जुटी रही। देवरिया शहर में पारंपरिक जुलूस—ए—मोहम्मदी दोपहर करीब तीन बजे अमनगरेट से शुरू हुआ। जुलूस तहसील रोड, अबूबकर नगर, नगरपालिका रोड, कोऑपरेटिव चौराहा और सुभाष चौक होते हुए ईदगाह पहुंचा। यहां विभिन्न मोहल्लों और क्षेत्रों से निकले अन्य जुलूस भी मुख्य जुलूस में शामिल हुए। इसके बाद जुलूस स्टेशन रोड और मोतीलाल रोड से होकर अपने—अपने निर्धारित स्थानों की ओर रवाना हुआ। सुबह की नमाज के बाद अलग—अलग मोहल्लों से छोटे जुलूस और अंजुमन मुख्य जुलूस में शामिल हुए। उलमा—ए—कराम और धार्मिक पदाधिकारियों की मौजूदगी में दुआ—ख्वानी के साथ जुलूस का शुभारंभ हुआ। मदरसों के छात्र, शिक्षक और स्थानीय लोग इसमें बड़ी संख्या में भाग लिया। जुलूस के दौरान नात—ओ—दुरूद पढ़ते हुए लोगों ने अमन, शांति और भाईचारे का संदेश दिया।

मुख्य जुलूस से पहले अबूबकर नगर स्थित जामा मस्जिद में परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। शहर काजी ने अमन, भाईचारे, इंसानियत और नेक अमाल का संदेश दिया। परचम बुलंद होते ही परिसर धार्मिक नारों से गूंज उठा। इस दौरान अंजुमन इस्लामिया के सदर जलालुद्दीन खान, मुन्नालारी, आरिफ जमाल समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर देवरिया शहर के अलावा सलेमपुर, भाटपाररानी, बनकटा, रामपुर कारखाना और देसही देवरिया समेत कई क्षेत्रों में भी जुलूस निकाले गए। मस्जिदों और घरों में विशेष इबादत व नातख्वानी हुई। लोगों ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं को याद किया।

जुलूस को देखते हुए पुलिस—प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। जुलूस मार्ग, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। यातायात पुलिस ने भी निर्धारित रूट के अनुसार व्यवस्था संभाली। पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों के अनुसार, जुलूस शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराया गया।

बारावफात जुलूस में बजा विवादित 'सर तन से जुदा' नारा, ई—रिक्शा और साउंड सिस्टम सीज

संवाददाता—गोण्डा। मोतीगंज थाना क्षेत्र के बेलवा गांव में बुधवार को बारावफात के मौके पर निकाले गए जुलूस—ए—मोहम्मदी के दौरान विवादित नारा बजाए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जुलूस में शामिल एक ई—रिक्शा पर लगे साउंड सिस्टम और लाउडस्पीकर से एक मुस्लिम धार्मिक गीत के साथ शगुस्ताख—ए—नबी की एक सजा, सर तन से जुदाश वाला नारा बजाया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे बेलवा गांव में जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान ई—रिक्शा पर लगे साउंड सिस्टम से विवादित नारे वाला ऑडियो बजने की बात सामने आई। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने भी संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सीओ सदर अभिषेक दावाच्या ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मोतीगंज पुलिस को तत्काल मुकदमा दर्ज करने, संबंधित वाहन को सीज करने और कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिलेभर में सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है और माहौल खराब करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मोतीगंज थानाध्यक्ष तेज नारायण गुप्ता के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला कि जिस मोबाइल फोन से गाना बजाया जा रहा था, उसमें विवादित नारे वाला ऑडियो भी मौजूद था। पुलिस ने ई—रिक्शा, डीजे साउंड और लाउडस्पीकर को कब्जे में ले लिया है। ई—रिक्शा को थाने लाकर सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बारावफात के जुलूस से पहले जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें जुलूस आयोजकों और स्थानीय लोगों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि किसी भी तरह के विवादित गाने या नारे न बजाए जाएं और ऐसा कोई कार्य न किया जाए, जिससे माहौल खराब हो। पुलिस ने कहा है कि त्योहार के दौरान शांति और कानून—व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया समेत सभी माध्यमों पर निगरानी जारी रहेगी।

बाइक सवार को गोली मारी

संवाददाता—गोण्डा। जिले में मंगलवार देर रात 10 बजे करीब एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। खरगुपुर थाना क्षेत्र के जानकीनगर पोखरा गांव के पास इटियाथोक थाना क्षेत्र के बसंतपुर राजा निवासी 50 वर्षीय आनंद कुमार मिश्रा को बाइक सवारों ने रोका और गोली चला दी। गोली उनके बाएं पैर की जांघ में लगी। उन्हें तत्काल गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। गोली मारने से पहले बाइक सवारों और आनंद कुमार मिश्रा के बीच कहासुनी और गाली—गलौज हुई थी। आनंद कुमार मिश्रा ने इस घटना के लिए अपने ही सगे रिश्तेदारों पर आरोप लगाया है। खरगुपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और आनंद कुमार मिश्रा के मोबाइल कॉल डिटेल की भी जांच कर रही है। बताया गया है कि आनंद कुमार मिश्रा अपने भाई अरुण कुमार मिश्रा और परिवार के साथ बलरामपुर स्थित अपने ससुराल में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से लौटने के बाद वह अपने गांव बसंतपुर राजा पहुंचे। उनके अपनी चार पहिया गाड़ी वहीं खड़ी कर दी और मोटरसाइकिल से जानकीनगर पोखरा गए थे। जानकीनगर पोखरा से बसंतपुर राजा लौटते समय रास्ते में यह घटना हुई। पीड़ित के भाई अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना के समय उनके ससुराल के लोग उनके साथ थे। उन्होंने यह भी बताया कि जिन पर आरोप लगाए जा रहे हैं, वे भी उनके ससुराल पक्ष के ही सदस्य हैं।

जल्द नियंत्रण में आएगी महंगाई, शुगर मिलें जल्द शुरू कराने की कोशिश —कीर्तिवर्धन सिंह

संवाददाता—गोण्डा। ग्वालियर ग्रंट में बुधवार शाम 4:30 बजे विसुही नदी के किनारे पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। इसमें विदेश राज्य मंत्री एवं भाजपा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह उर्फ राजा भैया पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी और वन विभाग की ओर से 'वृक्षारोपण महायज्ञ—2026' के तहत आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पौधरोपण किया। लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने चीनी की बढ़ती कीमतों, छुआछूत और आरक्षण को लेकर भी सरकार का पक्ष रखा। चीनी की बढ़ती कीमतों के सवाल पर कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने चीनी के आयात की अनुमति खोल दी है। इससे जल्द ही कीमतों पर नियंत्रण आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की कोशिश है कि शुगर मिलें जल्द शुरू हों, ताकि किसान नई चीनी बाजार में ला सकें। छुआछूत के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि आज के दौर में 140 करोड़ की आबादी में कहीं एक—दो उदाहरण सामने आने से यह नहीं कहा जा सकता कि पूरे देश में छुआछूत चल रही है। हालांकि, उन्होंने इसे खत्म करना जरूरी बताया। उनके मुताबिक छुआछूत समाज को अलग और कमजोर करती है तथा इसे समाप्त किया जाना चाहिए। आरक्षण को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन पर कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि कुछ वर्ग ऐतिहासिक परिस्थितियों के कारण पीछे रह गए थे। उन्हें आगे लाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी लोगों को समान पायदान पर लाना और देश को एक साथ आगे बढ़ाना सरकार का उद्देश्य है। मंत्री ने कहा— आरक्षण के कई आधार हो सकते हैं, जिसमें आर्थिक आधार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां स्थायी या एक जगह रुकी हुई नहीं रहतीं। देश की परिस्थितियों और जरूरतों के अनुसार नीतियों में बदलाव और विकास होता रहता है। कार्यक्रम के दौरान कीर्तिवर्धन सिंह ने पौधरोपण किया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत छात्राओं और स्थानीय लोगों को फलदार पौधे भी वितरित किए। उन्होंने लोगों से पौधों की देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

छह संपर्क मार्गों को मंजूरी, 9.10 किमी सड़कों पर 10.21 करोड़ खर्च होंगे

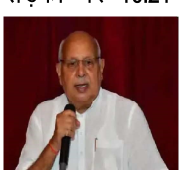

संवाददाता—देवरिया। पथरदेवा विधानसभा क्षेत्र में सड़क संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने के लिए छह संपर्क मार्गों के नवनिर्माण को मंजूरी मिली है। इन परियोजनाओं के तहत कुल 9.10 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कराया जाएगा, जिस पर करीब 10.21 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन आसान होने और स्थानीय विकास को गति मिलने की उम्मीद है। प्रदेश के कृषि मंत्री और पथरदेवा के विधायक सूर्य प्रताप शाही के प्रयासों से इन सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है।

स्वीकृत छह सड़कों में सझवा—बरारी वाया बासपार नहर पटरी (2.60 किलोमीटर, 200.47 लाख रुपये), नौतन हथियागढ़ बंधे से बावन मोर्चा—चकदेइया पुल की 1.30 किलोमीटर छूटी कड़ी (160.51 लाख रुपये) और रामनगर—कोइलसवा से लक्ष्मीपुर तक 1.30 किलोमीटर सड़क (144.94 लाख रुपये) शामिल हैं।

अन्य परियोजनाओं में महुआबारी पुल से लोहिया इंटर कॉलेज, जिगनी बाजार तक 2.50 किलोमीटर सड़क (195.65 लाख रुपये), देवरिया—हाटा मार्ग से रसूलपुर काली माता मंदिर तक 1.10 किलोमीटर संपर्क मार्ग (116.06 लाख रुपये) और विकासखंड तरकुलवा के मैनपुर से चवौली ग्राम तक 1.80 किलोमीटर सड़क (203.74 लाख रुपये) का निर्माण होगा।

इन संपर्क मार्गों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। गांवों को मुख्य मार्गों और बाजारों से बेहतर संपर्क मिलने के साथ किसानों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को भी इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा। सड़क संपर्क बेहतर होने से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की भी संभावना है।

ईद—ए—मिलादुन्नबी पर निकला जुलूसे मोहम्मदी, अकीदतमंदों ने तिरंगा लहराया, 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए

संवाददाता—बलरामपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन, ईद—ए—मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को जुलूसे मोहम्मदी पूरी अकीदत के साथ निकाला गया। नौशहरा ईदगाह से शुरू हुए इस जुलूस में हजारों अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर शहिंदुस्तान जिंदाबादश और इस्लाम जिंदाबाद के नारे लगाए। इस दौरान देश की एकता, अखंडता, अमन और भाईचारे का संदेश प्रमुखता से दिया गया। जुलूस से पहले उलेमाओं ने तकरीर के माध्यम से पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने पैगंबर साहब के अमन, मोहब्बत, इंसानियत और भाईचारे के पैगाम को दुनिया के लिए महत्वपूर्ण बताया और अकीदतमंदों से उनके बताए रास्ते पर चलने की अपील की।

नौशहरा ईदगाह से निकला जुलूस वीर विनय चौराहा, सराय फाटक, चौक, बड़े पुल, गर्ल्स कॉलेज तिराहा और मेजर चौराहा होते हुए एमपीपी इंटर कॉलेज के पास समाप्त हुआ। रास्ते में जगह—जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और कई स्थानों पर फूलों की बारिश के साथ शरबत व पानी का इंतजाम किया गया। जुलूस में बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। नए परिधानों में सजे बच्चे और नौजवान नात—ए—पाक पढ़ते हुए चल रहे थे। श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश जैसे नारों के माध्यम से बेटियों की शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

इस जुलूस में विभिन्न धर्मों के लोगों की सहभागिता ने आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की। लोगों ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। तिरंगा लहराने और राष्ट्रहित से जुड़े नारों ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया। जुलूस को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस बल की तैनाती की गई थी और ड्रोन कैमरों से जुलूस तथा आसपास के इलाकों की निगरानी की गई। अधिकारियों ने पूरे मार्ग पर सुरक्षा का जायजा लेते हुए जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया।

जुलूस के समापन के बाद देश और समाज में अमन—चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआ की गई। इस मौके पर इमाम साहब, मौलाना सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। उलेमाओं ने कहा कि मौजूदा दौर में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारना और समाज में मोहब्बत व इंसानियत का संदेश फैलाना बेहद जरूरी है।

बारावफात जुलूस में नाबालिगों ने फोड़े हाथगोले, शोहरतगढ़ जुलूस में जमकर आतिशबाजी, पूरे इलाके छाया धुआं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ में बुधवार को बारावफात के जुलूस के दौरान सड़क पर प्रतिबंधित हाथगोले फोड़कर आतिशबाजी की गई। बड़ी संख्या में नाबालिग लड़के खुलेआम हाथगोले फोड़ते नजर आए। इससे इलाके में धुआं फैल गया। घटना के वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। बारावफात का जुलूस शोहरतगढ़ की जामा मस्जिद से शुरू हुआ। यह कुजड़ा मोहल्ला, रमजान गली, निबियादोहनी, पुरानी तहसील रोड और तिरंगा चौराहा होते हुए वापस जामा मस्जिद पहुंचा। जुलूस में हजारों लोग शामिल हुए थे। वीडियो फुटेज में सड़क पर नाबालिग लड़के हाथगोले फोड़ते दिखाई दे रहे हैं। आसपास मकान और दुकानें होने के बावजूद काफी देर तक आतिशबाजी जारी रही। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस तरह की आतिशबाजी से आग लगने या किसी के घायल होने का खतरा बना रहा।

शोहरतगढ़ संवेदनशील इलाकों में शामिल है। यहां पहले भी विवाद और दंगे की घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे क्षेत्र में हजारों लोगों की भीड़ के बीच सड़क पर विस्फोटक पटाखों का इस्तेमाल गंभीर मामला है। आसपास मकान और दुकानें होने से आग जैसी घटना का खतरा और बढ़ जाता है।

पुलिस–प्रशासन की ओर से जुलूस के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। भीड़ को देखते हुए पुलिस की प्राथमिकता जुलूस को शांतिपूर्वक संपन्न कराना रही। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि जुलूस सकुशल संपन्न हुआ और कोई विवाद नहीं हुआ। पुलिस फोर्स तैनात रही और लगातार लोगों पर नजर रखी गई। हालांकि, जुलूस के शांतिपूर्वक समाप्त होने के बावजूद सड़क पर प्रतिबंधित हाथगोले फोड़ने का मामला गंभीर है। पुलिस को वीडियो में नजर आ रहे लोगों की पहचान के साथ ही हाथगोलों की उपलब्धता और उनके स्रोत की जांच करनी चाहिए। इससे यह पता चल सकेगा कि जुलूस में इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित आतिशबाजी कैसे पहुंची।

मामला सिर्फ एक दिन की आतिशबाजी तक सीमित नहीं है। संवेदनशील क्षेत्र में हर साल जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जाती है। ऐसे में इस घटना की जांच से यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि प्रतिबंधित आतिशबाजी को रोकने के लिए जुलूस से पहले और दौरान क्या इंतजाम किए गए थे। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रतिबंधित हाथगोले इतनी बड़ी संख्या में जुलूस तक कैसे पहुंचे। इन्हें किसने उपलब्ध कराया और क्या जुलूस से पहले इसकी जानकारी पुलिस–प्रशासन को थी? संवेदनशील क्षेत्र में निगरानी और भारी पुलिस बल की तैनाती के बावजूद विस्फोटक पटाखों का इस्तेमाल होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

श्रद्धा और उल्लास से शिवमय हुआ क्षेत्र, जयकारों के बीच हुआ भव्य पार्थिव पूजन और रुद्राभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सनातन धर्म चेतना चौरिटेबल ट्रस्ट (रजि०) के तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय श्रावण महापर्व उत्सव के दूसरे दिन आज श्री कर्डेश्वर शिव मंदिर (करड़ शिव मंदिर) परिसर में भक्ति का अनूठा समागम देखने को मिला। भारी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से मिट्टी के पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर देवाधिदेव महादेव का विधि–विधान से महारुद्राभिषेक किया। सुबह 9 बजे से ही मंदिर परिसर भगवान भोलेनाथ के जयकारों और हर–हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। भक्तों ने अत्यंत श्रद्धाभाव से पार्थिव शिवलिंग तैयार किए, जिसके बाद आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी , हर्षित पाण्डेय, अनमोल शुक्ल, विकास मिश्रा के कुशल संचालन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक का अनुष्ठान संपन्न हुआ। अनुष्ठान के समापन पर भक्तों को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश मिश्र ने कहा, ष्पार्थिव शिवलिंग का पूजन और रुद्राभिषेक केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि यह हमारी आत्मा को शुद्ध करने और सनातन संस्कृति की जड़ों से जुड़ने का माध्यम है। आज के आधुनिक युग में अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक चेतना को जीवित रखना हर सनातनी का परम कर्तव्य है। सभी भक्तों, सहयोगियों और विद्वान पुरोहित वर्ग का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने सबके लिए एक विशेष शुभकामना संदेश भी दिया। उन्होंने मंगलकामना करते हुए कहा, ष्देवाधिदेव महादेव और जगतजननी मां पार्वती से मेरी यही प्रार्थना है कि वे क्षेत्र के समस्त नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का संचार करें। बाबा भोलेनाथ सबको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और हर कठिनाई से लड़ने की शक्ति प्रदान करें। इस भव्य महाअनुष्ठान में मुख्य रूप से नरसिंह शुक्ल, सौरभ कुमार बोस, सौरभ मिश्र, शैलेष कुमार श्रीवास्तव, अरुण भारती, अनूप मिश्रा, विशाल पाण्डेय, ओम राकेश मणि त्रिपाठी सहित क्षेत्र के तमाम शिव भक्त और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पाल ने कड़र शिव मंदिर पहुंचकर विस्तृत धार्मिक व्यवस्था को देखकर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त किया और आयोजन के सहयोगियों के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए अनुष्ठान को और बृहद स्वरूप देने की बात कही।

इटवा में कूरियर कंपनी के दफ्तर में चोरी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के बेनीपुर नानकार स्थित एक डिलीवरी कूरियर कंपनी के कार्यालय में चोरी हो गई। चोर रोशनदान के रास्ते कार्यालय में घुसे और लैपटॉप, प्रिंटर, गद्दा तथा 88,584 रुपये नकद ले गए। यह घटना 23 अगस्त की रात से 24 अगस्त की सुबह के बीच हुई। पीड़ित की शिकायत पर इटवा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंबेडकरनगर जिले के राजेसुल्तानपुर निवासी संजय पाल डिलीवरी कूरियर कंपनी में टीम लीडर (टीएल) के पद पर कार्यरत हैं। उनका कार्यालय इटवा थाना क्षेत्र के बेनीपुर नानकार में स्थित है। संजय पाल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 23 अगस्त की रात करीब 8रू33 बजे कार्यालय बंद किया था। 24 अगस्त को जब वह अगले दिन कार्यालय पहुंचे, तो उन्हें पीछे के रोशनदान से किसी अज्ञात व्यक्ति के घुसने का पता चला। कार्यालय के अंदर जांच करने पर संजय पाल ने पाया कि लैपटॉप, प्रिंटर, गद्दा और 88,584 रुपये नकद गायब थे। चोरी की जानकारी होते ही उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस मामले की जांच उपनिरीक्षक हरिओम कुशवाहा को सौंपी गई है। पुलिस कार्यालय में चोरों के प्रवेश मार्ग और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। इसके अतिरिक्त, पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर चोरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमिका से मिलने गए प्रेमी की पिटाई, रजाई के खोल में बांधकर फेंका

संवाददाता–गोरखपुर। दो दिन पहले घर से लापता हुआ राम प्रवेश दो दिन पहले सोमवार रात में अचानक घर से लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं चलने पर स्वजन ने मंगलवार रात पुलिस को गुमशुदगी की सूचना दी थी। बुधवार सुबह गांव के कुछ लोग कोटिया ताल की ओर गए थे। इसी दौरान ताल के किनारे रजाई का खोल पड़ा दिखाई दिया। ग्रामीणों को उसमें कुछ बंधा होने का संदेह हुआ। खोल खोलने पर राम प्रवेश मिला। परिजन का आरोप है कि गांव का ही एक परिवार राम प्रवेश को रात में जबरन उठा ले गया और उनके साथ मारपीट की। इसके बाद उन्हें रजाई के खोल में बांधकर नाले में फेंक दिया गया। घघसरा चौकी पर शिकायत के बावजूद तत्काल कार्रवाई नहीं होने का भी आरोप लगाया है। जांच में प्रेम प्रसंग मामला सामने आया थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्र ने बताया कि मंगलवार को राम प्रवेश के परिजन की ओर से लापता होने की तहरीर मिली थी। जिसपर एफआईआर लिखा गया था। जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। युवक के बरामद होने के बाद पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, राम प्रवेश के नाले में मिलने के बाद गांव में प्रेम प्रसंग को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ग्रामीणों के अनुसार, राम प्रवेश का एक युवती से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती के परिजन ने उसकी शादी कहीं और तय कर दिए थे। इसके बावजूद दोनों के बीच बातचीत और मुलाकात जारी थी। ग्रामीणों का कहना है कि दो दिन पहले युवती के परिजनों ने दोनों को घर के अंदर पकड़ लिया था। इसके बाद राम प्रवेश के साथ मारपीट कर नाले में फेंके जाने की चर्चा है। हालांकि पुलिस ने इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया युवा संवाद कार्यक्रम

संवाददाता–संतकबीरनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्वावधान में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर एक युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम गंगा देवी कपिल देव तिवारी महाविद्यालय, भुजैनी खलीलाबाद में हुआ, जिसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पार्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. अरविंद प्रबोध मिश्र, अभाविप के पूर्व प्रांत सहमंत्री माधवेन्द्र तिवारी, महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य रंगनाथ तिवारी और मुख्य नियंता हरिशंकर शुक्ल उपस्थित रहे। अभाविप के पूर्व प्रांत सहमंत्री माधवेन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की और मंचासीन महानुभावों का परिचय कराया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की निर्णायक शक्ति हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, संस्कृत विद्वान और सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. अरविंद प्रबोध मिश्र ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण युवाओं के चरित्र, संस्कार, अनुशासन, ज्ञान और राष्ट्र के प्रति समर्पण से होगा। डॉ. मिश्र ने युवाओं के समक्ष मौजूद चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने सलाह दी कि युवा सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीक का सदुपयोग कर अपने व्यक्तित्व और ज्ञान का विकास करें। साथ ही, उन्हें नकारात्मकता, नशे और समय की बर्बादी से दूर रहने का आह्वान किया। इसके बाद उपस्थित युवाओं के साथ संवाद सत्र शुरू हुआ। युवाओं ने देश, समाज और समसामयिक विषयों पर मुख्य वक्ता से प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर देकर मुख्य वक्ता और मंचासीन महानुभावों ने उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. रंगनाथ मिश्र ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से पूर्ण वंदेमातरम् गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन अम्बेश कृष्ण पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर अभाविप की जिला संयोजक गौरी पाण्डेय, जीत दत्त, दुर्गेश शुक्ला, आनंद शुक्ला, प्रमोद यादव सहित सैकड़ों छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

निषाद मछली नहीं खाएगा तो क्या खाएगा, योगी के मंत्री संजय बोले- हम सावन में भी खाते हैं

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में कांग्रेस के निषाद सम्मेलन में मछली भोज को लेकर वार–पलटवार का दौर चल रहा है। सावन के महीने में मछली बनाने पर सबसे ज्यादा निशाना साधा जा रहा है। सीएम योगी के रायबरेली में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर हमले के बाद मामला ज्यादा गरमा गया है। अब योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद का कहना है कि निषाद मछली नहीं खाएगा तो क्या खाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हम भी सावन में मछली खाते हैं। हालांकि उन्होंने भी मंदिर दर्शनके साथ मछली को लेकर अजय राय पर निशाना साधा।

संजय निषाद ने कहा कि मछली खाना पाप नहीं है, हम सनातनी हैं, मैं तो सावन में भी मछली खाते हैं। मछली निषाद समाज का परंपरागत भोजन है। कहा कि जहां निषाद रहेगा, वहां मछली खाएगा। उन्होंने सवाल किया कि अजय राय मछली खाकर मंदिर क्यों गए। कहा कि कांग्रेस वाले मछुआरों को मछली के बहाने फंसाना चाहते हैं, लेकिन निषाद फंसने वाला नहीं है। कांग्रेस चालाक पार्टी है। ये नहीं चाहती कि निषादों की गरीबी पर चर्चा हो।

संजय निषाद ने कहा कि भाजपा ने यह नहीं कहा है कि निषाद क्यों मछली खाए। भाजपा ने यह कहा है कि अजय राय ने क्यों मछली खिलाया। मछली भोज और दर्शन करने के साथ हनुमान चालीसा पढ़ने पर सवाल उठाया है। निषाद समाज के मछली खाने पर कोई विरोध नहीं किया है। कहा कि अजय राय एक तरफ राम मंदिर में जाकर सनातनी बन रहे हैं, दूसरी तरफ मछली खिला रहे हैं। वह लोग एक तरफ हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं दूसरी तरफ मछली खा रहे हैं। हमारे लोग हनुमान चालीसा पढ़कर मछली नहीं खा रहे हैं। हमारे लोग जाल लेकर जा रहे हैं। मछली मारकर खा रहे हैं।

कहा कि निषाद समाज की जमीन अंग्रेजों ने छीन ली। उनके पास अनाज नहीं है तो मछली ही खाएंगे। मछली नहीं खाएंगे तो जिंदा कैसे रहेंगे। सावन में मछली नहीं खाने के पीछे संजय निषाद ने अलग तर्क भी दिया। कहा कि सावन में मछली के ब्रिडिंग का समय होता है। इस समय मछली नहीं खाएंगे तो मछलियां ज्यादा होंगी और नदी साफ होगी। हालांकि हर तरह की मछली को खाने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है। कुछ मछलियां खाने की पूरी छूट है। रामनगरी में मछली खाने पर कहा कि निषाद जहां रहेंगे, वहीं मछली खाएंगे।

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह कल युवाओं से करेंगे संवाद, गोरखपुर के गांव में स्वागत की तैयारियां

संवाददाता–गोरखपुर। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह गुरुवार 27 अगस्त को गोरखपुर के दूरस्थ विकास खण्ड भरोहिया के माथाबारी गांव का दौरा करेंगे। इस दौरान वे ग्रामीणों, विद्यार्थियों और युवाओं से सीधे संवाद करेंगे और उनके जीवन, जरूरतों, आकांक्षाओं और चुनौतियों के बारे में जानेंगे। इस दौरान वायु सेना प्रमुख, रामाश्रय ग्राम विकास संस्थान साखी का काम भी देखेंगे। यह संस्थान उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के चेयरमैन पीपीगंज के संजय सिंह श्रीनेत का है। संस्थान से जुड़े लोगों से बातचीत कर वायु सेना प्रमुख क्षेत्र में समाज के विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे कामों की जानकारी लेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह सरस्वती गुरुकुल का भी भ्रमण करेंगे। यहां वे विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद

करेंगे। इसके साथ ही वह बच्चों को शिक्षा, अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करेंगे। वायु सेना प्रमुख स्थानीय युवाओं से भी बातचीत करेंगे। वे युवाओं की आकांक्षाओं और उनके सामने मौजूद अवसरों और चुनौतियों को समझेंगे तथा उन्हें अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे।

इस दौरान वे ग्रामीणों के साथ भी अनौपचारिक और आत्मीय बातचीत करेंगे। ग्रामीण अपने अनुभव और अपनी आवश्यकताएं उनके साथ साझा कर सकेंगे। इससे सशस्त्र बलों और आम नागरिकों के बीच विश्वास और अपनत्व का संबंध और मजबूत होगा। यह भ्रमण इस बात का संदेश भी देगा कि देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सशस्त्र बल समाज के हर वर्ग के साथ जुड़े हुए हैं। जानकारों का कहना है कि यह अवसर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और सैनिक और नागरिक के बीच आत्मीय संबंध को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने 30 सितम्बर 2024 को यह पदभार संभाला था। उन्हें 5000 घंटे से भी अधिक उड़ान का अनुभव है। वह एक श्क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टरश और श्एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलटश हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह दिसम्बर 1984 में भारतीय वायु सेना के फाइटर पायलट स्ट्रीम में शामिल हुए थे। स्वदेशी लड़ाकू विमान भ्|स् तेजस के उड़ान परीक्षण में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। वायु सेना प्रमुख बनने से पहले वह वायुसेना के 47वें उप प्रमुख और सेंट्रल एयर कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ रह चुके हैं।

सपा से गठबंधन में ही लड़ेंगे चुनाव, कांग्रेस के यूपी सह प्रभारी का दावा

संवाददाता–गोरखपुर। मिशन–2027 को लेकर उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। बुधवार को गोरखपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सांसद श्याम कुमार दौलत बर्वे ने दावा किया कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में ही लड़ेगी। उन्होंने कहा कि दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर स्थिति स्पष्ट है। सीटों के बंटवारे का अंतिम फैसला सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के स्तर से होगा। दोनों नेताओं के बीच इस संबंध में बातचीत चल रही है। संगठन सृजन अभियान के पर्यवेक्षक सांसद श्याम कुमार दौलत बर्वे ने कहा कि मिशन–2027 को लेकर कांग्रेस बूथ से जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने में जुटी है। पार्टी में जिला अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक पद पर भी कार्यकर्ताओं की राय को प्राथमिकता दी जा रही है। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं से राय ली जा रही है। उनके सुझावों के आधार पर संगठन को नई मजबूती देने की तैयारी है।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयानों को लेकर पूछे गए सवाल पर सांसद श्याम कुमार दौलत ने कहा कि दोनों दलों के नेता अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता तो कुछ अधिक स्वतंत्र हैं, इसलिए वे समय–समय पर अपनी बात रखते रहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेताओं के अलग–अलग बयानों के बावजूद सपा–कांग्रेस गठबंधन की दिशा में कोई बदलाव नहीं है। उत्तर प्रदेश में दोनों दल साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और सीटों का अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा।

कांग्रेस में गुटबाजी के आरोपों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने भाजपा पर पलटवार किया। कहा कि भाजपा को पहले अपने भीतर की स्थिति देखनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच क्या चल रहा है? इस पर भाजपा को विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने संगठन से जुड़े मामलों को खुद सुलझाने में सक्षम है। पार्टी का पूरा फोकस संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर है।

श्याम कुमार दौलत ने कहा कि उनके गोरखपुर दौरे का लक्ष्य है कि कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर संगठन की पहुंच गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करना है। इसके लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से लगातार संवाद किया जा रहा है। चुनाव की तैयारी केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि लगातार जनता के बीच रहकर की जा रही है। संगठन की मजबूती और जनमुद्दों को लेकर सक्रियता को मिशन–2027 की तैयारियों का प्रमुख आधार बनाया गया है।

ईद–ए–मिलादुन्नबी का जुलूस, पैगंबर मोहम्मद साहब की याद में अमन–भाईचारे का संदेश

संवाददाता–संतकबीरनगर। बुधवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर ईद–ए–मिलादुन्नबी (बारावफात) का पर्व मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने धर्मगुरुओं की अगुवाई में पारंपरिक जुलूस निकाला। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और पैगंबर की शान में धार्मिक नारे लगाते हुए अमन–चौन एवं भाईचारे का संदेश दिया। खलीलाबाद शहर में मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत वहरुल उलूम अंसार टोला के तत्वावधान में जुलूस निकाला गया। इसमें शहर की विभिन्न मस्जिदों और मोहल्लों के लोग शामिल हुए। जुलूस धार्मिक नारों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गोला बाजार पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी से पूरा वातावरण उत्साहपूर्ण रहा।

जुलूस के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल ने स्वागत किया। उन्होंने जुलूस में शामिल लोगों का अभिनंदन करते हुए मिष्ठान वितरण कराया और जलपान की व्यवस्था की। इस अवसर पर लोगों ने आपसी सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की। मगहर में भी ईद–ए–मिलादुन्नबी का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। चेयरमैन प्रतिनिधि नूरुज्जमा अंसारी अपनी टीम के साथ पूरे जुलूस में मौजूद रहे। इस जुलूस में मुस्लिम समुदाय के साथ हिंदू समुदाय के लोगों ने भी बढ़–चढ़कर सहभागिता की, जो सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बना। जुलूस के मार्ग में जगह–जगह स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों की ओर से पानी, मिठाई, चाय, रबड़ी और फलों का वितरण किया गया। लोगों ने जुलूस में शामिल अकीदतमंदों का स्वागत किया। पूरे आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति का संदेश प्रमुखता से दिखाई दिया।

भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता को जागरूक करें –अभिषेक दत्त

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अभिषेक दत्त ने कार्यकर्ताओं से भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और कार्यों के खिलाफ जनता को जागरूक करने का आह्वान किया। कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में एकजुट होकर भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए संघर्ष करने की अपील की।देवरिया–कुशीनगर के संगठनात्मक भ्रमण पर पहुंचे कांग्रेस सचिव एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी अभिषेक दत्त का कांग्रेसियों ने गोरखपुर एयरपोर्ट पर स्वागत किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री डॉ. सैय्यद जमाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।

एयरपोर्ट से बाहर निकलने पर महानगर कांग्रेस और देवरिया जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने भी उनका स्वागत किया। इस दौरान डॉ. सैय्यद जमाल, अनवर हुसैन, संतोष प्रताप सिंह, राजकुमार पासवान, दुर्गेश निषाद, प्रेम प्रकाश तिवारी, मोहित साहनी, शैलेन्द्र चौहान, मनोज श्रीवास्तव और रजई निराला मौजूद रहे। एयरपोर्ट के बाहर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद, देवरिया जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल, सुयश मणि, पूर्व जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान ने उनका अभिनंदन किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम गणेश प्रसाद पुत्र श्री राजनरायन दूबे ग्राम– मलौली दूबे पोस्ट– शंकरपुर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी हूं। मेरा महराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मण्डल पुणे से निर्गत हाई स्कूल वर्ष **2008** अनुक्रमांक **256207** में मेरा नाम गणेश प्रसाद के स्थान पर द्विवेदी गणेश प्रसाद राजनरायन हो गया है जो गलत है। उसे गणेश प्रसाद पुत्र श्री राजनरायन दूबे कराया जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम गणेश प्रसाद पुत्र श्री राजनरायन दूबे ग्राम– मलौली दूबे पोस्ट– शंकरपुर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी हूं। उत्तर प्रदेश फार्मेसी काउन्सिल द्वारा निर्गत बी. फार्मा वर्ष **2024** रजिस्ट्रेशन नम्बर REG/110324/0103926 में मेरा नाम त्रुटिबश द्विवेदी गणेश प्रसाद राजनरायन द्विवेदी हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर गणेश प्रसाद पुत्र श्री राजनरायन दूबे कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com